**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 843**

**28 जुलाई, 2015 को उत्तर के लिए**

**सेना के लिए फ्यूचर रेडी कम्बैट वाहन**

**843. श्री ए. विलियम रबि बर्नार्ड :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

1. क्या सेना ने सोवियत निर्मित मुख्य युद्धक टैंकों (एमबीटी) को बदलने की मंशा से स्वदेशी और विदेशी फर्मों से फ्यूचर रेडी कम्बैट वाहन (एफआरसीवी) के विनिर्माण के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
2. क्या यह सच है कि रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) पहले से ही सेना के लिए फ्युचरिस्टिक टैंकों पर कार्य कर रहा है तथा वह सेना द्वारा सूचना हेतु किए गए अनुरोध से स्तब्ध है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
3. क्या डीआरडीओ द्वारा विकसित अर्जुन टैंक को लेकर सेना और डीआरडीओ पहले से ही एक दूसरे के विरूद्ध हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

**उत्तर**

**रक्षा मंत्री (श्री मनोहर पर्रीकर)**

(क) से (ग): भारतीय सेना ने फ्यूचर रेडी कम्बैट वाहन (एफआरसीवी) हेतु प्रस्तावित अभिकल्प प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए ‘सूचना हेतु अनुरोध’ प्रकाशित किया है । भारतीय सेना अर्जुन टैंक सहित बहुसंख्यक उपस्कर परियोजनाओं पर रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ गहन सहयोग से कार्य कर रही है । रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने सभी भावी कवचित युद्धक वाहनों (एएफवी) के लिए महत्वपूर्ण उन्नत प्रौद्योगिकियों के समावेश के लिए कदम उठाए हैं ।